<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम</th>
<th>मांगी गई जानकारी</th>
<th>प्रदान की गई सूचना</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>पी-एच.डी. शोध-निदेशक नियमित प्रोफेसर जो नामित (एचॉट) हुए थे। वही प्रोफेसर 3 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। ऐसी स्थिति में वह प्रोफेसर के शोध-निदेशक नियमित शोधयोग्य के रहने या बदले जाए। यदि ऐसा कोई प्रावधान यूजीनी के तरफ से हुआ है तो वह व्यंग संस आदेश जारी हुआ। उसकी प्रमाणित छायाप्रति देना का सहयोग कीजिए।</td>
<td>पीएच.डी. अध्यादेश के बिना 9.1(a) के अनुसार विश्वविद्यालय के नियमित शिक्षक ही पीएच.डी. शोध निदेशक बन सकते हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पत्र D.O. No. F. 10-6/2011 (PS) Misc दिनांक 06.07.2015 का अवलोकन करें। उसमें निम्नलिखित उल्लेख किया गया है “It is further clarified that any Ph.D/M.Phil Degree awarded by a University under the supervision of as supervisor who is not a faculty member of the University of its affiliated PG Colleges/institutes would be in violation of UGC (Minimum standards and procedure for award of M.Phil/Ph.D. Regulations 2009)”</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>शोधयोग्य हुए शोध कार्य पूर्ण हो जाने पर शोध-निदेशक की अनुमति, विभाग से पी-एच.डी. शोध पूर्व प्रस्तुति सेमिनार के बाद, पी-एच.डी. शोध-प्रवांड मूल्यांकन हेतु विभाग में जमा करने के बाद क्या शोध-निदेशक बदला जा सकता है? यदि यूजीनी और म.ए.एंड.डी.विव.क्यों के नियमों में ऐसा कोई प्रावधान है तो उस आदेश की प्रमाणित छायाप्रति देना का सहयोग कीजिए।</td>
<td>बिनु क्रमांक 01 के अनुसार।</td>
</tr>
</tbody>
</table>
शोधार्थी और शोध-निदेशक के बिना अनुमति, सहमति सूचना के क्या शोध-निदेशक एकाएक बदला जा सकता है ? यदि यूजरसी की तरफ से ऐसा कोई प्रावधान है तो उसकी प्रमाणित चायाप्रति देने का सहयोग कीजिए।

पीएच.डी. अध्यादेश के बिना 9.1 (a) के अनुसार विश्वविद्यालय के नियमित शिक्षक ही पीएच.डी. शोध-निदेशक बन सकते हैं। चूंकि आवेदक के शोध-निदेशक सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सेवानिवृत्त विद्वानों के अंतर्गत जमा शोध पत्रों की विसंगतियाँ संज्ञान में आने के बाद उसके निराकरण के लिए विभाग के नियमित शिक्षक को ही शोध निदेशन का वाचित्व सीमा जा रहा है। इसके तहत ही श्री अध्यक्ष विभाग के अध्यक्ष मंडल की दिनांक 24.08.2022 को संचालन बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार में डॉ. सुप्रिया पाठक, अध्यक्ष, श्री अध्यक्ष विभाग को श्री रघुनाथ बुँधार अंबेडकर के शोध-निदेशन का वाचित्व सीमा गया है।

अग्र आप प्रदत्त सूचना के संचार में अपील करना चाहते हैं तो अधिकृत अधिकारी को इस पत्र के प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर नीचे लिखे गए फॉर्म पर अर्पित कर सकते हैं।

प्रथम अधिकृत अधिकारी
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,
पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा - 442001, महाराष्ट्र
फोन नं. 07152-230902, फैक्स - 07152-247602

भव्यविवेक,
(श्री विनोद)
01/12/2022